नाम:- विजय कुमार झा (सहायक प्राध्यापक) तारकेश्वर नारायण अग्रवाल शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, हरिगांव, भोजपुर

कक्षा:- B.Ed

विषय:- हिंदी शिक्षण

प्रकरण:- हिंदी शिक्षण के उद्देश्य

हिंदी शिक्षण के सामान्य उद्देश्य

१. बच्चों को शुद्ध बोलने तथा शुद्ध लिखने का ज्ञान देना।
२. सरल एवं प्रभाव पूर्ण तथा स्पष्ट भाषा में अपने भाव और अनुभूतियों एवं विचारों को व्यक्त करना।

३. दूसरों की लिखी हुई भाषा एवं होली हुई भाषा को समझने की योग्यता उत्पन्न करना।
४. भाषा को हावभाव के साथ एवं आरोह अवरोह के साथ वचन करने की कला का ज्ञान होना।
५. विद्यार्थियों के ज्ञान विवेक एवं चरित्र का विकास करना।
६. पठन पाठन के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
७. छात्रों को सत साहित्य की रचना के योग्य बनाना तथा मानव जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का अध्ययन करा कर उन्हें भावी जीवन के लिए तैयार करना।
८. छात्रों को लोकोक्तियां एवं मुहावरों का ज्ञान दिलाना।
९. छात्रों में क्रमबद्ध विचार करने, भाव को अभिव्यक्त करने, तथा ज्ञानार्जन के प्रति गहरी रूचि उत्पन्न करने का प्रयास करना।
१०. पुस्तक को निहित ज्ञान भंडार का अवलोकन कर स्वाध्याय के प्रति गहरी रुचि उत्पन्न करना।
११. साहित्य का लक्ष्य उत्तम नागरिक उत्पन्न करना भी हैं इसीलिए हिंदी शिक्षण का उद्देश्य नागरिकता के उत्तम से उत्तम गुणों का विकास भी हैं।